घमण्ड से भी खत्म हो जाते है रिश्ते। कसूर हर बार गलतियों का नहीं होता।
– अज्ञात

# सब कुछ लुटा के

**वोटरों ने बीजेपी–शिवसेना गठबंधन को ठीक से सरकार बनाने लायक सीटें दीं। एनसीपी–कांग्रेस के गठबंधन ने भी स्वीकार किया कि जनता ने सरकार गठन की जिम्मेदारी बीजेपी–शिवसेना को सौंपी है।**

राकेश शाह

सुप्रीम कोर्ट के दखल से विधानसभा के पटल पर विश्वास मत परीक्षण की तारीख तय हो जाने के बाद बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने यह कहते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया कि उनके पास बहुमत नहीं है। आशा है, अब इसके बाद शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के वैकल्पिक गठबंधन की सरकार बनने में कोई बाधा नहीं आएगी और राज्य में पिछले एक महीने से जारी राजनीतिक संकट समाप्त हो जाएगा। इसकी समाप्ति में मुख्य भूमिका कोर्ट के उस फैसले की रही जिसमें उसने साफ–साफ कहा कि न्यायपालिका और विधायिका के कार्यक्षेत्र अलग–अलग हैं और दोनों को एक–दूसरे की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए।

कोर्ट को दखल तभी देना चाहिए जब कोई और उपाय न बचा हो। यह कहते हुए भी कोर्ट ने दखल दिया तो इसीलिए कि इस मामले में समस्या को हल करने का कोई रास्ता ही नहीं दिख रहा था। विधानसभा चुनाव में आए स्पष्ट जनादेश के बावजूद ऐसी स्थिति बनना दुखद ही कहा जाएगा। वोटरों ने बीजेपी–शिवसेना गठबंधन को ठीक से सरकार बनाने लायक सीटें दीं। एनसीपी–कांग्रेस के गठबंधन ने भी स्वीकार किया कि जनता ने सरकार गठन की जिम्मेदारी बीजेपी–शिवसेना को सौंपी है। समस्या तब शुरू हुई जब आंतरिक कारणों से बीजेपी–शिवसेना गठबंधन सरकार नहीं बना पाया। बीजेपी ने राज्यपाल के सामने जाकर साफ–साफ कह दिया कि वह सरकार बनाने में असमर्थ है।

इसके बाद राज्यपाल की जिम्मेदारी थी कि वह अन्य दलों को मौका देने के क्रम में यह भी देखते कि सरकार गठन की कोई वैकल्पिक राह निकल रही है या नहीं। क्या राज्यपाल ने अपनी यह संवैधानिक जिम्मेदारी ठीक से निभाई? इस विवाद का इतना लंबा खिंचना और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचना ही यह बता देता है कि केंद्र सरकार और राज्यपाल, दोनों अपनी भूमिका को बेहतर ढंग से अंजाम दे सकते थे।

जिस तरह से एक पार्टी को पखवाड़े भर का समय दिया गया और बाकी पार्टियों को किसी सहमति तक पहुंचने के लिए हफ्ते भर का वक्त देना भी गवारा नहीं किया गया, जिस तरह शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के बीच सरकार बनाने पर सहमति होने और इसकी सार्वजनिक घोषणा कर दिए जाने के बाद रातोंरात राष्ट्रपति शासन खत्म कर देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी गई, उसे अच्छे लोकतांत्रिक आचरण के रूप में याद नहीं किया जाएगा।

साफ है कि बीजेपी अजीत पवार की मदद से एनसीपी विधायकों का समर्थन 'मैनेज' करने का प्रयास कर रही थी जो एनसीपी के शीर्ष नेतृत्व की सूझबूझ के चलते सफल नहीं हो पाया। कुल मिलाकर देखा जाए तो महाराष्ट्र का ताजा घटनाक्रम इतिहास में भारतीय लोकतंत्र के एक शर्मनाक अध्याय के रूप में ही दर्ज करने लायक है। उम्मीद करें कि यह गहमागहमी देश के जिम्मेदार लोगों और संस्थाओं को कोई अच्छा सबक देकर जाएगी।

## चुनाव का विकल्प

धर्म-दर्शन

**चन्दर गुप्ता।** चुनाव का विकल्प हमेशा 'अच्छे' और 'बुरे' के बीच नहीं होता। अक्सर ये विकल्प 'बुरा' और 'बहुत बुरा' के बीच होता है। विकल्प से सामना होने पर चुनाव करना हमारे लिए बहुत दुखदायी हो जाता है। अनिर्णय की स्थिति की खासियत यह है कि यह हममें से अधिकतर लोगों को बहका देती है। वहां विकल्प होते हैं लेकिन वो अल्पकालिक और अप्रसांगिक होते हैं, उदाहरण के लिए सप्ताह के अंत में देखने जाने वाली किसी फिल्म का चुनाव करना। कुछ ऐसे विकल्प भी होते हैं जो जीवन को प्रभावित कर सकते हैं जैसे, कौन सी नौकरी करनी है और किससे शादी करनी है। दैनिक जीवन के ज्यादातर चुनाव इन्हीं दोनों चरम सीमाओं के बीच आते हैं।

प्रायरू जब अच्छे और बुरे के बीच चुनाव करना होता है तो ऐसे में चुनाव करना आसान होता है। जब हमारे पास चुनाव करने के लिए दो विकल्प होता है तो हम उनके बीच बंट जाते हैं।

# संपादकीय

## कैसे बचे पानी ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और दुनिया के सामने मंडरा रहे एक भयानक संकट की ओर ध्यान दिलाया है। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने जल संकट पर चिंता जाहिर की और कहा कि भारत में बारिश के पानी का संचय करने की कोई व्यवस्था न होने के कारण बहुत ज्यादा पानी बर्बाद हो जाता है। उन्होंने पानी के संरक्षण के लिए तीन अहम सुझाव दिए, एक तो यह कि इसके लिए जन आंदोलन की शुरुआत हो, दूसरे जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल किया जाए, तीसरा यह कि जल संरक्षण से जुड़ी सभी जानकारियां शेयर की जाएं। इसके लिए काम करने वाले लोगों से जो जानकारी मिले, उसे हैशटैग जनशक्ति फॉर जलशक्ति के साथ साझा किया जाए ताकि उसका एक डाटाबेस बनाया जा सके।

भारत में जल संकट हमारे अनुमान से कहीं ज्यादा है। चीन ने तो 1500 घन मीटर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष का आंकड़ा आते ही वॉटर इमरजेंसी का ऐलान कर दिया था जबकि हमारे यहां जल उपलब्धता इससे नीचे जा चुकने के बाद भी हम इत्मीनान से हैं। 20 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान देश के 91 प्रमुख जलाशयों में 27.265 अरब घन मीटर पानी बचा था, जो इनकी कुल संग्रहण क्षमता का मात्र 17 प्रतिशत है। पिछले दिनों चेन्नै के जल संकट की खबर आई। वहां इसी सप्ताह चार जलाशय सूख गए और अब बहुत कम मात्रा में पेयजल बचा हुआ है। दूसरे महानगरों का भी हाल बहुत अच्छा नहीं है। बंगलुरु का भूजल स्तर पिछले दो दशक में 10–12 मीटर से गिर कर 76–91 मीटर तक जा पहुंचा है। दिल्ली का भूजल भी लगातार कम हो रहा है।

दरअसल, मोदी का इशारा बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय की ओर था, जिन्होंने इंदौर में अपनी ड्यूटी कर रहे नगर निगम के एक अधिकारी को क्रिकेट बैट से मारा था।

# छुटभैया सियासी अकड़

श्रद्धा रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में एक बीजेपी विधायक द्वारा एक सरकारी कर्मचारी की पिटाई के मामले को लेकर सख्त रुख अपनाया है। बीजेपी संसदीय दल की बैठक में उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि 'मामले का दोषी चाहे किसी का भी बेटा क्यों न हो, उसकी यह हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उसे पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया जाना चाहिए। जिन लोगों ने उसका स्वागत किया है, उन्हें भी पार्टी में रहने का हक नहीं है। सभी को पार्टी से निकाल देना चाहिए।' दरअसल, मोदी का इशारा बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय की ओर था, जिन्होंने इंदौर में अपनी ड्यूटी कर रहे नगर निगम के एक अधिकारी को क्रिकेट बैट से मारा था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया पर वे जमानत पर छूट गए। उनके जमानत के छूटने पर बीजेपी के कई नेताओं ने उनका फूलमालाओं से स्वागत किया था।

निगम के अधिकारी की पिटाई का विडियो देशभर में वायरल हुआ था और इसकी तीखी निंदा की गई थी। लेकिन बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने इस मामले में खुलकर

अपने बेटे का बचाव किया और सवाल करने वाले एक पत्रकार से पूछा कि उसकी औकात क्या है! पिछले कुछ समय से अनेक बीजेपी नेताओं और उनके रिश्तेदारों द्वारा सरकारी अधिकारियों को धमकाने और पीटने की घटनाएं घटी हैं।

मध्य प्रदेश के ही नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव थाना इलाके में केंद्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रह्लाद पटेल के बेटे प्रबल पटेल और भतीजे मोनू पटेल समेत सात लोगों को एक शख्स को गोली मारने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आश्चर्य कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुलकर प्रबल पटेल का समर्थन किया। सतना जिले के रामनगर परिषद में अध्यक्ष राम सुशील पटेल ने चीफ म्यूनिसिपल ऑफिसर (सीएमओ) की बांस से पिटाई की। मारपीट में महिला पार्षद और कुछ ठेकेदार भी घायल हैं। बताया जा रहा है सीएमओ ने नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे।

उत्तर प्रदेश के कासगंज में बीजेपी विधायक के बेटे ने स्थानीय थाने के एसएचओ के साथ कथित तौर पर बदतमीजी की और उनका ट्रांसफर करवाने की धमकी दी। लगता है, केंद्र में दूसरी बार सत्ता पाने के बाद बीजेपी नेता और उनके करीबी लोग खुद को कानून से ऊपर मानने लगे हैं। अधिकारियों पर अकड़ दिखाकर अपना कद बढ़ाने का भाव भी उनमें दिख रहा है। पर वे भूल रहे हैं कि ऐसा करके वे सरकारी मशीनरी की कमर तोड़ रहे हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि अगर सत्तापक्ष ही कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करेगा तो इससे अपराधियों का हौसला बढ़ेगा और समाज में अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। पीएम ने शायद इसीलिए उन्हें आगाह करने की कोशिश की है। चाल–चरित्र पर बीजेपी काफी जोर देती रही है। सत्ता में रहते हुए उसके नेताओं के आचरण में यह कुछ तो दिखना चाहिए।

### अष्टयोग-4879

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 5 | | 3 | | 7 | |
| | 30 | 7 | 31 | 4 | 34 | 2 |
| 6 | | 2 | | 5 | | |
| | 29 | | 33 | | 37 | 3 |
| 4 | | 1 | 6 | | | 7 |
| | 30 | | 32 | | 34 | |
| | 5 | | | 1 | 2 | 4 |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 4878 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 4 | 3 | 2 | 7 | 1 |
| 2 | 34 | 7 | 30 | 4 | 28 | 2 |
| 7 | 2 | 1 | 6 | 3 | 5 | 4 |
| 3 | 25 | 6 | 33 | 6 | 41 | 5 |
| 1 | 3 | 2 | 4 | 5 | 7 | 6 |
| 5 | 28 | 5 | 33 | 7 | 38 | 3 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 1 | 2 | 7 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अपना ब्लॉग

### लंपट लोकतंत्र की अप्राकृतिक आपदाएं

**रमेश जोशी।** हमने जैसे ही यह समाचार पढ़ा– चेन्नै में एक 24 वर्षीय युवती अपने ऑफिस से स्कूटी पर घर जा रही थी। संयोग ऐसा हुआ कि एआईएडीएमके का एक अवैध होर्डिंग उसकी स्कूटी पर आ गिरा। उसका संतुलन बिगड़ गया और पीछे से आ रहे पानी के एक टेंकर ने उसे कुचल दिया। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे रेलवे स्टेशन के पास एक विज्ञापन होर्डिंग अचानक गिर गया जिससे 4 लोगों की मौत हो गई और 9 लोग बुरी तरह घायल हो गएद्य ऐसे ही अनेक हादसे होते रहते हैं। दोनों हादसे ही व्यापार से जुड़े हैं एक राजनीति मतलब सेवा का व्यापार और दूसरा वस्तुओं का व्यापार। दोनों में ही झूठ बोलकर छवि बनाई जाती है। बेचारी जनता की का गलती? इस बारे सोच रहे थे और कुढ़ रहे थे कि तोताराम टपका जैसे हरियाणा का राजनीति में अचानक गोपाल कांडा के स्थान पर दुष्यंत चौटाला टपक पड़े। हमने कहा– तोताराम, जीवन में और लोकतंत्र में वैसे ही बहुत दुःख हैं ऊपर से ये होर्डिंग। आदमी क्या करे? घर से नहीं निकले?